

लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाका कथाका पात्रहरूको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र
सङ्घायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको
स्नातकोत्तर तहको दसौं पत्रको
प्रयोजनका लागि
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी
निरञ्जना खनाल
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
कीर्तिपुर
२०६७

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्कायअन्तर्गत स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाका कथाका पात्रहरूको अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र निरञ्जना खनाल ले मेरो निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । धेरै मिहिनेतका साथ तयार पारिएको यस शोधकार्यबाट म सन्तुष्ट छु र यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि त्रि.वि. नेपाली केन्द्रीय विभागसमक्ष पेश गर्न सिफारिस गर्दछु ।



सह.प्रा. डा. ताराकांत पाण्डेय
शोधनिर्देशक
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रि. वि. कीर्तिपुर

मिति: २०६७/९/२१

त्रिभुवन विश्वविद्यालय,
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय
नेपाली केन्द्रीय विभाग
कीर्तिपुर, काठमाडौं

स्वीकृति-पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागकी छात्रा निरञ्जना खनालले स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि तयार पार्नुभएको लक्ष्मीप्रसाद दवकोटाका कथाका पात्रहरूको अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र आवश्यक मूल्याङ्कन गरी स्वीकृत गरिएको छ ।

मूल्याङ्कन समिति

हस्ताक्षर

१. प्रा.राजेन्द्र सुवेदी (विभागीय प्रमुख)

.....

२. प्रा. डा. जगदीशचन्द्र भण्डारी (बाह्य परीक्षक)

.....

३. सह. प्रा.डा.ताराकान्त पाण्डेय (शोध निर्देशक)

.....

मिति : २०६७१०१२

कृतज्ञता ज्ञापन

प्रस्तुत लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाका कथाका पात्रहरूको अध्ययन नामक शोधपत्र तयार गर्दा मैले विभिन्न संस्था तथा व्यक्तिहरूको अमूल्य सहयोग प्राप्त गरेकी छु । प्रथमतः यो शोधकार्य पूरा नहुन्जेलसम्म आफ्नो अत्यन्त व्यस्ततामा पनि समय दिई सल्लाह र सुझावका साथ मार्ग निर्देशन गर्नु हुने आदरणीय गुरु तथा शोध निर्देशक डा.ताराकान्त पाण्डेयप्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु ।

यस शोधपत्र तयार गर्दा आवश्यक पर्ने पुस्तक तथा पत्रिकाहरू उपलब्ध गराउने त्रि.वि केन्द्रीय पुस्तकालयलाई आभार प्रकट गर्दछु । त्यस्तै रचना पत्रिका उपलब्ध गराई सहयोग गर्नुहुने शिव रेग्मीप्रति पनि कृतज्ञ छु । शैक्षिक क्रियाकलापमा हौसला र प्रेरणा दिई उच्च शिक्षा हासिल गर्न सहयोग गर्नुहुने आमा सरीता खनाल, बुबा पूर्णचन्द्र खनाल र श्रीमान भक्तराज न्यौपानेप्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्दछु । शैक्षिक वातावरणको सिर्जना गरी अध्ययन र शोधपत्र तयार पार्न सहयोग गर्ने बहिनीहरू अञ्जु खनाल र सुरक्षा शर्मा लगायत परिवारका अन्य सदस्यहरूलाई धन्यवाद दिन चाहन्छु । यस शोधकार्यका सन्दर्भमा सहयोग गर्नुहुने मित्र समिता शर्मा र निर्मला चापागाइलाई पनि धन्यवाद टर्क्याउँछु । यस शोधपत्र टड्कनको जिम्मा लिई सहयोग गर्नुहुने ए टु जेट एजुकेसन ग्रुपलाई धन्यवाद ज्ञापन गर्दछु ।

अन्त्यमा म यस शोधपत्रको समुचित मूल्याङ्कनका लागि त्रि.वि नेपाली केन्द्रीय विभाग समक्ष प्रस्तुत गर्दछु ।

शोधार्थी

निरञ्जना खनाल

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर, काठमाडौं

विषयसूची

पृष्ठ

| | |
|---|--------------|
| परिच्छेद एक : शोध परिचय | १-६ |
| १.१ विषयप्रवेश | १ |
| १.२ समस्याकथन | १ |
| १.३ उद्देश्यकथन | १ |
| १.४ पूर्वकार्यको समीक्षा | २ |
| १.५ शोधकार्यको औचित्य | ५ |
| १.६ शोधकार्यको सीमाङ्कन | ५ |
| १.७ शोधविधि | ५ |
| १.७.१ सामग्री-सङ्कलनविधि | ६ |
| १.७.२ अध्ययन तथा विश्लेषणको सैद्धान्तिक आधार | ६ |
| १.८ शोधपत्रको रूपरेखा | ६ |
| परिच्छेद दुई : साहित्ययात्राका सन्दर्भमा लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाको कथायात्रा तथा प्रवृत्ति | ७-१४ |
| २.१ साहित्ययात्राका सन्दर्भमा लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाको कथा लेखन | ७ |
| २.२ लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाको कथायात्रा | ८ |
| २.३ लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाका कथा प्रवृत्तिहरू | ९ |
| २.३.१ सामाजिकता | ९ |
| २.३.२ घटनाप्रधान कथात्मक प्रस्तुति | १० |
| २.३.३ मनोविश्लेषणात्मकता | १० |
| २.३.४ विषयगत विविधता | ११ |
| २.३.५ चिन्तनशीलता | ११ |
| २.३.६ यथार्थवादी प्रवृत्ति | १२ |
| २.३.७ अन्धविश्वास, कुरीति र सामाजिक परम्पराको विरोध | १२ |
| २.३.८ व्यङ्ग्यात्मकता | १२ |
| २.३.९ क्रान्तिचेतना र सुधारवादिता | १३ |
| २.३.१० मानवतावाद | १३ |
| २.३.११ कथात्मक संरचनासम्बद्ध निजता | १३ |
| २.४ निष्कर्ष | १४ |
| परिच्छेद तीन : कथात्मक चरित्रसम्बन्धी सैद्धान्तिक प्रस्थापना | १५-४१ |
| ३.१ कथाको विधागत स्वरूप तथा प्रकृति | १५ |
| ३.२ कथाका तत्त्वहरू | १६ |
| ३.२.१ संरचना | १६ |
| ३.२.१.१ कथावस्तु | १६ |
| ३.२.१.२ पात्र र चरित्रचित्रण | १७ |
| ३.२.१.३ दृष्टिबिन्दु | १७ |
| ३.२.१.४ सारवस्तु | १८ |
| ३.२.२ रूपविन्यास | १८ |
| ३.३ कथात्मक चरित्र परिचय र परिभाषा | १९ |
| ३.४ कथामा चरित्रको भूमिका तथा महत्त्व | २२ |
| ३.५ कथात्मक चरित्र वर्गीकरणका आधार | २३ |
| ३.५.१ कथात्मक चरित्र वर्गीकरणको शैलीवैज्ञानिक आधार | २४ |
| ३.५.१.१ लिङ्गको आधार | २५ |

| | |
|--|----|
| ३.५.१.२ कार्यको आधार | २५ |
| ३.५.१.३ प्रवृत्तिको आधार | २५ |
| ३.५.१.४ स्वभावको आधार | २६ |
| ३.५.१.५ जीवनचेतनाको आधार | २६ |
| ३.५.१.६ आसन्नताको आधार | २६ |
| ३.५.१.७ आबद्धताको आधार | २७ |
| ३.५.१.८ परिवेशको आधार | २७ |
| ३.५.१.९ चारित्रिक आयामिकताको आधार | २८ |
| ३.५.१.१० सामाजिक सम्बन्धको आधार | २८ |
| ३.५.२ कथात्मक चरित्र वर्गीकरणका अन्य सैद्धान्तिक आधारहरू | २८ |
| ३.५.२.१ मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्तको आधार | २९ |
| ३.५.२.२ अस्तित्ववादी सिद्धान्तको आधार | ३० |
| ३.५.२.३ यथार्थवादी सिद्धान्तको आधार | ३२ |
| ३.५.२.४ विसङ्गतिवादी सिद्धान्तको आधार | ३४ |
| ३.५.२.५ नारीवादी सिद्धान्तको आधार | ३५ |
| ३.५.२.६ मार्क्सवादी सिद्धान्तको आधार | ३७ |
| ३.५.२.७ नियतिवादी सिद्धान्तको आधार | ३८ |
| ३.६ पात्र विधानको प्रविधि/पद्धति | ३९ |
| ३.६.१ बाह्य चरित्रचित्रण | ३९ |
| ३.६.२ आन्तरिक चरित्रचित्रण | ४० |
| ३.६.३ नाटकीय चरित्रचित्रण | ४० |
| ३.७ निष्कर्ष | ४१ |

परिच्छेद चार : लक्ष्मीप्रसाद देवकोटाका कथाका पात्रहरूको अध्ययन ४२-१२३

| | |
|--|----|
| ४.१ विषयप्रवेश | ४२ |
| ४.२ उनको भने कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ४२ |
| ४.२.१ जुनु | ४३ |
| ४.२.२ भने (बोके) | ४४ |
| ४.२.३ लुरूकान्त सिपाही | ४५ |
| ४.२.४ अन्य पात्रहरू | ४५ |
| ४.३ मेमसाहेबसँग कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ४६ |
| ४.३.१ बबुल बाबुसाहेब | ४६ |
| ४.३.२ प्रियाम् | ४७ |
| ४.३.३ अङ्ग्रेजी शिक्षक | ४८ |
| ४.३.४ टम | ४९ |
| ४.३.५ अन्य पात्रहरू | ४९ |
| ४.४ गुरु ज्ञानसिंह कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ४९ |
| ४.४.१ ज्ञानसिंह | ५० |
| ४.४.२ लक्ष्मीसिंह | ५१ |
| ४.४.३ वैकुण्ठसिंह | ५२ |
| ४.४.४ रूपखानी | ५३ |
| ४.४.५ अन्य पात्रहरू | ५३ |
| ४.५ शिशिली आफ्नो विहे आफैँ गर्छिन् कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ५४ |
| ४.५.१ शिशिली | ५५ |
| ४.५.२ कार्तिकवीर | ५७ |

| | |
|--|----|
| ४.५.३ सलिललोचन | ५७ |
| ४.५.४ शिशिलीकी आमा | ५८ |
| ४.५.५ शिशिलीको दाइ | ५८ |
| ४.५.६ अन्य पात्रहरू | ५९ |
| ४.६ बङ्गाली बाबू कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ५९ |
| ४.६.१ फणीन | ६० |
| ४.६.२ म पात्र | ६१ |
| ४.६.३ अन्य पात्रहरू | ६२ |
| ४.७ व्यक्तित्व कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ६२ |
| ४.७.१ परा | ६३ |
| ४.७.२ विजुली | ६४ |
| ४.६.३ साहिँला बाजे | ६५ |
| ४.७.४ नौली | ६५ |
| ४.७.५ अन्य पात्रहरू | ६६ |
| ४.८ घरेलु धर्म कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ६६ |
| ४.८.१ रमा | ६७ |
| ४.८.२ पण्डित वामनराज पौड्याल | ६८ |
| ४.८.३ श्रीकृष्ण | ६९ |
| ४.८.४ ग्वाँगे | ७० |
| ४.८.५ अन्य पात्रहरू | ७० |
| ४.९ तीज कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ७१ |
| ४.९.१ पण्डित रमाकान्त | ७२ |
| ४.९.२ काफ्लेनी बज्यै | ७३ |
| ४.९.३ चिसडुखुको कार्की | ७४ |
| ४.९.४ चिनु | ७४ |
| ४.९.५ सुब्बासाहेब | ७५ |
| ४.९.६ अन्य पात्रहरू | ७५ |
| ४.१० मस्य्याङ्दी कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ७६ |
| ४.१०.१ मस्य्याङ्दी | ७७ |
| ४.१०.२ सेते | ७८ |
| ४.१०.३ पण्डित | ७९ |
| ४.१०.४ बच्चु | ८० |
| ४.१०.५ अन्य पात्रहरू | ८१ |
| ४.११ तारा कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ८२ |
| ४.११.१ कोमलप्रसाद | ८३ |
| ४.११.२ तारा | ८४ |
| ४.११.३ डाक्टर मधुसूदन | ८५ |
| ४.११.४ अन्य पात्रहरू | ८६ |
| ४.१२ मन र तन कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ८६ |
| ४.१२.१ कुन्तला | ८७ |
| ४.१२.२ सिमन्तिनी बज्यै | ८८ |
| ४.१२.३ मधु | ८९ |
| ४.१२.४ अशिवनीमणि | ८९ |
| ४.१२.५ मनकामनादेवी | ९० |
| ४.१२.६ मोती धामी | ९० |
| ४.१२.७ अन्य पात्रहरू | ९० |

| | |
|--|-----|
| ४.१३ अजिमा कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ९१ |
| ४.१३.१ शिउली बज्यै | ९२ |
| ४.१३.२ अणिमानाथ | ९३ |
| ४.१३.३ मकुन्द | ९४ |
| ४.१३.४ सेते गुभाजू | ९४ |
| ४.१३.५ काहिँली मैयाँ | ९५ |
| ४.१३.६ अन्य पात्रहरू | ९५ |
| ४.१४ उपकारको बाटोमा कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ९६ |
| ४.१४.१ गने | ९६ |
| ४.१४.२ काहिँला बाजे | ९८ |
| ४.१४.३ पहेँली | ९८ |
| ४.१४.४ अन्य पात्रहरू | ९९ |
| ४.१५ भिङ्गुको भोपडी कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ९९ |
| ४.१५.१ भिङ्गु | १०० |
| ४.१५.२ पिङ्गु | १०१ |
| ४.१५.३ म पात्र | १०२ |
| ४.१५.४ जूनु | १०३ |
| ४.१५.५ अन्य पात्रहरू | १०३ |
| ४.१६ नपुंसक प्रजा कथाका पात्रहरूको अध्ययन | १०३ |
| ४.१६.१ राजा | १०४ |
| ४.१६.२ अमीली | १०५ |
| ४.१६.३ गुरु | १०६ |
| ४.१६.४ श्रीबहादुर | १०७ |
| ४.१६.५ लाक्पा सेर्पा | १०७ |
| ४.१६.६ अन्य पात्रहरू | १०८ |
| ४.१७ राजा र गुरु कथाका पात्रहरूको अध्ययन | १०९ |
| ४.१७.१ राजा | १०९ |
| ४.१७.२ गुरु | ११० |
| ४.१७.३ अन्य पात्रहरू | १११ |
| ४.१८ मासू कथाका पात्रहरूको अध्ययन | १११ |
| ४.१८.१ भूषणबाजे | ११२ |
| ४.१८.२ प्यारी बज्यै | ११३ |
| ४.१८.३ अन्य पात्रहरू | ११३ |
| ४.१९ समाजवादका धूनमा कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ११४ |
| ४.१९.१ कमल | ११५ |
| ४.१९.२ रामबाबु | ११५ |
| ४.१९.३ नीलबाबु | ११६ |
| ४.१९.४ कृष्ण | ११७ |
| ४.१९.५ अन्य पात्रहरू | ११७ |
| ४.२० हत्यारो डाहा कथाका पात्रहरूको अध्ययन | ११८ |
| ४.२०.१ कृष्णप्रसाद | ११८ |
| ४.२०.२ शिवलक्ष्मी | ११९ |
| ४.२०.३ अन्य पात्रहरू | १२० |
| ४.२१ राजा कसरी गर्छन् राज? कथाका पात्रहरूको अध्ययन | १२१ |
| ४.२१.१ साधु | १२१ |
| ४.२१.२ राजा | १२२ |

४. २१.३ अन्य पात्रहरू
परिच्छेद पाँच :निष्कर्ष
सन्दर्भग्रन्थसूची

१२३
१२४-१३२
१३३